Regarding the devasting cyclone at Ferozabad, Uttar Pradesh on 24.4.2000.

श्री रामजीलाल ्सुमन (फिरोजा्बाद) : उपाध्यक्ष महोद्य, पर्सों ्सोम्वार को ्सा्य चार ्बजे उत्तर प्रदे्श का फिरोजा्बाद जनपद, जो मेरा ्स्संदी्य क्षेत्र है, ्वहां ्भी्ण तूफान ्से 12 लोगों की मृत्यु हो गई।...(व्यवधान)

श्री ्शंकर प्रसाद जा्य्स्वाल (वाराण्सी) : महोद्य, मैं तीन दिन ्से नोट्स दे रहा हूं। ्वाराण्सी में दंगे हुए और ्वहां लोग मारे गए।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोद्य : आपको चा्स मिलेगा। अगर इस तरह आप करेंगे तो कै्से आपको चा्स मिलेगा। मैं तो ्सब को एकोमोडेट करने की को्शि कर रहा हूं। इस तरह उठ कर ख्ड़े होंगे तो मैं ्बिलकुल चा्स नहीं दूंगा।

...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please resume your seat. Shri Ramji Lal Suman.

...(*Interruptions*)

श्री रामजीलाल ्सुमन : उपाध्यक्ष महोद्य, फिरोजा्बाद, उत्तर प्रदे्श, जो मेरा ्स्संदी्य क्षेत्र है, ्वहां 24 तारीख को लग्भग चार ्बजे तूफान एवं ओला्वृ्टि ्से लग्भग एक दर्जन लोगों की जान गई, ्सैंक्ड़ों लोग घा्यल हुए, करो्ड़ों की ्सम्पत्ति का नुक्सान हुआ। कि्सानों की फ्सल ख्ड़ी थी, ्वह पूरी न्ट हो गई और अ्ब उनके ्सामने रोजी-रोटी का ्स्वाल पैदा हो ग्या है। महोद्य, ्ये तूफान तीन किलोमीटर चौ्ड़ाई में और 20 किलोमीटर आगे तक ग्या। ्यह इतना तेज तूफान था कि द्स मिनट में ही लग्भग 70-80 गां्वों में कि्सानों को त्बाह कर ग्या। मकान गिर गए, ्स्कूलों की ्बिल्डिगें गिर गईं, तमाम लोग घा्यल हुए, हजारों की ्सैंख्या में ्वृक्ष गिर गए और ्बिजली के खम्भे टूट गए।

उपाध्यक्ष महोद्य, इतना कुछ होने के ्बा्वजूद ्भी, करो्ड़ों रुप्ये की ्सम्पत्ति का नुक्सान होने के ्बाद ्भी जिला प्र्शा्सन ने के्वल तीन लाख रुप्या मुहै्या करा्या है। लोग हॉ्स्पिटल में प्ड़े हैं, प्शुओं के लिए चारा नहीं है, खाने का कोई इंतजाम नहीं है। उपाध्यक्ष जी, मेरा आपके माध्यम ्से मंत्री जी ्से आग्रह है कि जिला प्र्शा्सन को हिदा्यत दी जाए कि जिन लोगों के ्सामने रोजी-रोटी का ्संकट पैदा हो ग्या है उनकी मदद करे। कि्सानों पर दे्य ्बका्या माफ कि्या जा्ये और इमदाद के जो पुराने मानक है जिनके हि्सा्ब ्से नहीं के ्बरा्बर मदद के लिए धनरा्शि मिलती है, उन्हें ्बदला जा्ये और न्ये मानको के हि्सा्ब ्से ज्यादा धनरा्शि मदद के लिए दी जा्ये। जो लोग हॉ्स्पिटलों में ्भर्ती हैं उनके उपचार की ्बेहतर व्य्वस्था हॉ्स्पिटल में की जा्ये। कि्सानों को उचित मुआ्वजा दि्या जा्ये और प्शुओं के लिए चारे का इंतजाम कि्या जा्ये। मैं चाहूंगा कि इस मामले में ्भारत ्सरकार रा्ज्य ्सरकार को आ्व्श्यक निर्दे्श दे, ताकि ्वहां के लोगों को उचित राहत मिल ्सके।